भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या **3176**

जिसका उत्तर शुक्रवार, 13 दिसंबर, 2024/22 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाना है।

रासायनिक उर्वरकों की बढ़ती कीमतें

3176. श्री संजय हरिभाऊ जाधव:

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या वर्ष 2020-2024 के दौरान महाराष्ट्र राज्य में तरल यूरिया और तरल 18:46 ओ (डीए) प्रदान किया गया है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;
(ख) पिछले पांच वर्षों के दौरान रासायनिक उर्वरकों की कीमतें वर्ष-वार कितनी बार बढ़ी हैं;
(ग) पिछले पांच वर्षों के दौरान देश में कितनी मात्रा में रासायनिक उर्वरकों का आयात किया गया;
(घ) बेहतर खेती के लिए देश में किस प्रकार उर्वरकों की आपूर्ति की जा रही है;
(ड.) यह सुनिश्चित करने के लिए कि किसानों को किफायती मूल्य पर उपयुक्त उर्वरक मिल रहे हैं, सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए/उठाए जाने का प्रस्ताव है; और
(च) उर्वरकों की बढ़ती कीमतों से राहत प्रदान करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क): कृषि और किसान कल्याण विभाग (डीएएंडएफडब्ल्यू) ने नैनो यूरिया (तरल) और नैनो डीएपी को उर्वरक नियंत्रण आदेश (एफसीओ)-1985 के तहत शामिल किया है जिसका उत्पादन कई उर्वरक कंपनियों द्वारा किया जाता है।

तदनुसार, महाराष्ट्र राज्य में नैनो यूरिया और नैनो डीएपी नियमित रूप से उपलब्ध कराया जाता है।

(ख) से (च): यूरिया सब्सिडी स्कीम के तहत, उत्पादन लागत पर ध्यान दिए बिना किसानों को यूरिया सांविधिक रूप से अधिसूचित अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) पर उपलब्ध कराया जाता है। यूरिया की 45 किलोग्राम बोरी की सब्सिडी प्राप्त एमआरपी 266.50 रुपये है। यूरिया की 45 किलोग्राम बोरी की एमआरपी पिछले पांच वर्षों के दौरान अर्थात 2019-20 से 2023-24 तक एक समान रही है। इसके अलावा, पोषक-तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) स्कीम के अंतर्गत, फॉस्फेटयुक्त और पोटाशयुक्त (पीएण्डके) उर्वरकों की एमआरपी विनियंत्रित है और इसे उर्वरक कंपनियों द्वारा बाजार के उतार-चढ़ाव के अनुसार यथोचित स्तर पर नियत किया जाता है जिसकी निगरानी सरकार द्वारा की जाती है। वर्ष 2022-23 से 2024-25 तक प्रमुख एनपीके ग्रेड, डीएपी, एमओपी और एसएसपी की एमआरपी का विवरण **अनुलग्नक** में दिया गया है। तदनुसार, किसानों को वहनीय मूल्यों पर उर्वरक उपलब्ध कराए जाते हैं।

पिछले पांच वर्षों के दौरान देश में आयातित रासायनिक उर्वरक निम्नानुसार हैं:

वर्ष 2019-20 से 2024-25 तक रासायनिक उर्वरकों (यूरिया, डीएपी, एमओपी और एनपीके) का आयात (नवंबर, 2024 तक)				
				मात्रा एलएमटी में
वर्ष	**यूरिया**	**डीएपी**	**एमओपी ***	**एनपीके**
		कंपनियों की सूचना के अनुसार		
2019-20	91.23	48.70	36.70	7.46
2020-21	98.28	48.82	42.27	13.90
2021-22	91.36	54.62	24.60	11.70
2022-23	75.80	68.83	18.66	27.52
2023-24	70.42	55.67	28.69	22.17

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग (डीएएंडएफडब्ल्यू) "कृषि आदानों के लिए क्षेत्रीय सम्मेलन" के माध्यम से प्रत्येक फसल मौसम (अर्थात रबी और खरीफ) से पहले प्रमुख उर्वरकों अर्थात यूरिया, डीएपी, एमओपी और एनपीकेएस उर्वरकों की आवश्यकता का आकलन करता है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा किए गए आकलन के आधार पर, उर्वरक विभाग मासिक आपूर्ति योजना जारी करके राज्यों को उर्वरकों की पर्याप्त मात्रा आबंटित करता है और उपलब्धता की स्थिति की निरंतर निगरानी करता है। यह आपूर्तियां स्वदेशी उत्पादन के साथ-साथ आयातों के माध्यम से की जाती हैं।

*****

अनुलग्नक

दिनांक 13.12.2024 को दिए जाने वाले लोक सभा के अतारांकित प्रश्न सं.3176 के उत्तर के भाग (ख) से (च) में उल्लिखित अनुलग्नक

वर्ष 2019-20 से 2024-25 में अक्टूबर-24 तक उत्पाद-वार औसत एमआरपी (रुपये/एमटी)

उत्पाद का नाम	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
10-26-26	25750.94	24575.66	29751.24	29760.78	29394.92	29895.40
12-32-16	25734.16	24643.11	28733.24	31562.41	29865.16	29400.00
20-20-0-13	20707.05	19950.14	24652.55	28045.64	25275.63	25253.09
डीएपी	26518.28	24966.78	25003.55	26939.94	26999.77	27000.00
एमओपी	18981.04	17872.63	23338.42	34147.54	33987.88	31584.03
एसएसपी-दानेदार	8213.69	8468.49	7750.95	10555.79	11157.39	10903.18

***आंकड़े एफएमएस और आईएफएमएस से (dbtfert.nic.in)**

****